कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान को मिला प्रतिष्ठित 'प्रोफेसर एम.आर श्रीनिवासन मेमोरियल लेक्चर एंड ऑरेशन अवॉर्ड'

——— o ———

– क्यूएस रैंकिंग में 102 पायदान की छलांग

– आईसीएआर 'ए' रेटिंग और राष्ट्रीय सम्मान

– 19 पेटेंट स्वीकृत, 15 नई फसल प्रजातियाँ विकसित

——— o ———

पंतनगर। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान को नई दिल्ली में आयोजित 52वें डेयरी इंडस्ट्री कॉन्फ्रेंस (DIC) में प्रतिष्ठित 'प्रोफेसर एम.आर श्रीनिवासन मेमोरियल लेक्चर एंड ऑरेशन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन इंडियन डेयरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। प्रो. चौहान को डेयरी विज्ञान एवं कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु रु. 50,000 की सम्मान राशि भी प्रदान की गई। कुलपति प्रो. चौहान को मिला यह सम्मान न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे उत्तराखंड राज्य के लिए गौरव का विषय है।

उल्लेखनीय है कि प्रो. चौहान के नेतृत्व में 29 अगस्त 2022 से 28 अगस्त 2025 तक विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इस अवधि में विष्वविद्यालय ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 102 पायदान की छलांग लगाकर 209वां स्थान प्राप्त किया। साथ ही इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च की पीआरटी द्वारा 'ए' रेटिंग प्रदान की गई तथा 14वें एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव में 'अकादमिक लीडरशिप अवॉर्ड 2023' से सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक उपलब्धियों के अंतर्गत 34वें, 35वें और 36वें दीक्षांत समारोहों में कुल 4,809 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। अनुसंधान के क्षेत्र में 15 नई फसल प्रजातियों का विकास किया गया। इस अवधि में 44 पेटेंट फाइल किए गए, 34 प्रकाशित हुए तथा 19 पेटेंट स्वीकृत हुए। विश्वविद्यालय देश में प्रजनक बीज उत्पादन में अग्रणी रहा, जहाँ प्रतिवर्ष 7,000 से 8,000 क्विंटल बीज का उत्पादन हुआ।

पशुधन संरक्षण के अंतर्गत बद्री गाय, पंतजा, चौगर्खा एवं उदयपुरी बकरी जैसी देशी नस्लों के संरक्षण को विशेष प्राथमिकता दी गई। उदयपुरी बकरी का पंजीकरण आईसीएआर–नेशनल ब्यूरो ऑफ एनिमल जेनेटिक रिसोर्सेज में कराया गया। वहीं मत्स्य पालन के क्षेत्र में सर्कुलर फिश कार्प हैचरी में प्रतिवर्ष 4 करोड़ स्पॉन उत्पादन का रिकॉर्ड स्थापित किया गया।

अवसंरचना विकास के तहत 225 विद्यार्थियों की क्षमता वाला जनरल बिपिन रावत छात्रावास, महिला व्यायामशाला, वेलनेस सेंटर एवं मधु वाटिका का लोकार्पण किया गया। परिसर की सुरक्षा हेतु 90 सीसीटीवी कैमरों का सर्विलांस सिस्टम स्थापित किया गया तथा पुराने छात्रावासों, सड़कों, मुख्य द्वारों एवं गांधी सभागार का नवीनीकरण कराया गया।

किसान कल्याण के क्षेत्र में 113वें से 117वें अखिल भारतीय किसान मेलों का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 98,500 किसानों ने सहभागिता की तथा 3.085 करोड़ रुपये के बीज एवं पौधों की बिक्री हुई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय को '9वां राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

प्रशासनिक सुधारों के अंतर्गत 109 शिक्षकों के लंबित पदोन्नति प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा जनवरी 2025 से त्रैमासिक न्यूज़लेटर 'पंतनगर प्रवाह' का प्रकाशन प्रारंभ किया गया।

प्रो. चौहान के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार, किसान उन्नयन और पारदर्शी प्रशासन के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ स्थापित की हैं, जो पंतनगर की गौरवशाली परंपरा को और सुदृढ़ करती हैं।